विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 75 माह - मार्च, 2025, मूल्य : नि:शुल्क

विचार हथकरघा केंद्र

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

शफीक खान
मार्गदर्शक

अर्चना रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहीं उद्यमी की कहानी

धैर्य, निरंतर प्रयास और नवीनता ही सफलता की कुंजी हैं : नीतू केशरवानी

सफलता कभी भी आसानी से नहीं मिलती, बल्कि यह कठिन परिश्रम, धैर्य और संघर्ष की मांग करती है। जो लोग मुश्किलों का सामना करते हैं, चुनौतियों से सीखते हैं और निरंतर प्रयास करते हैं, वही सच्ची सफलता प्राप्त कर सकते हैं। धैर्य, निरंतर प्रयास और नवीनता ही सफलता की कुंजी हैं। इस माह आप पढ़िए नीतू केसरवानी की प्रेरणादायक कहानी।

नीतू केसरवानी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। नीतू कहती है पिता मिठाई का काम करते थे, बहुत मुश्किलों के समय में आर्थिक तंगी के कारण मालगाड़ी चलाने का काम किया। हम तीन बहनों एक भाई को पढ़ाया लिखाया। मैं कक्षा एम. ए. पास हूं इसी बीच मेरी शादी 1999 में सागर में हुई। में आकाशवाणी कलाकार भी रही हूं परंतु शादी हो जाने के बाद मुझे यहां उतना रिस्पांस नहीं मिला, मेरे ससुर की भी मिठाई की दुकान थी। मैंने एम. ए. कक्षा तक पढ़ाई की उस क्षेत्र में काम नहीं कर पायी। पति अपने पिता के साथ मिठाइयों का काम करते थे। मुझे भी विचार आया मुझे खुद से कमाना हैं। हस्बेंड ने मुझे पार्लर का काम शुरू करने का कहा सन 2000 में शुरू किया। पार्लर से मुझे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। मेरे दो बेटे हैं आयुष एवं नैतिक।

तवा आइसक्रीम व्यवसाय करने का विचार कहां से आया - मेरा बड़ा बेटा आयुष इंदौर में पढ़ाई करने के लिए गया था उसे पढ़ाई करते हुए तवा आइसक्रीम को बनाना सीख लिया और व्यवसाय को करने के लिए सिविल लाइन में दुकान खोली। यह दुकान लगभग 2 साल तक चलायी और बंद करनी पड़ी। बेटे का हुनर मैंने भी सीख लिया और छोटे बेटे ने भी सीख लिया।

हमें जानकारी मिली स्वदेशी मेला में हम दुकान लगा सकते हैं। आदर्श प्रयास स्वयं सहायता समूह में जुड़ी हुई हूँ समूह की महिलाओं के साथ मैंने मेले में नि:शुल्क दुकान लगाई जिसमें इटली, बड़ापाव, पटेटोटोस्टर भी शामिल किया। ऐसी बहुत सारी चीज मिलकर काम करते हैं।

व्यवसाय को लेकर आपके क्या विचार हैं - कुछ दिनों में हम फिर से शुरुआत करने वाले हैं, हम लोगों ने दुकान ले ली है। साथ ही साथ ब्यूटी पार्लर का काम जारी रखना हैं ब्यूटी पार्लर से कई गरीब बच्चियों को मदद मिली है। मैंने उन्हें ब्यूटी पार्लर करना सिखाया और सिखा रही हूँ। उन बच्चियों के लिए कहीं ना कहीं रोजगार का माध्यम बन जाता है।

व्यवसाय करने में क्या चुनौतियां आईं - आयूष जब शुरुआत कर रहा था एक तो यह नया काम था, इस काम को कैसे करें। इंदौर में पढ़ने के लिए गया था वहीं उसे देखते-देखते उसने डिवाइन तवा आइसक्रीम बनाना सीख लिया था कहा कि मम्मी मुझे यह काम करना है। मैंने एक दुकान किराये पर लेकर शुरुआत करवा दी थी। शहर में पहली दुकान तवा आइसक्रीम की थी लेकिन किराया और बिजली खर्च ₹25000 था तो हमें वह बंद करनी पड़ी लेकिन अब हम उस व्यवसाय आगे बढ़ाना चाहते हैं।

स्वदेशी मेला से आपको क्या लाभ मिला - स्वदेशी मेला में दुकान बहुत अच्छी चली इस साल बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। हम इस व्यवसाय को आगे बढ़ाने चाहते हैं। तवा आइसक्रीम का व्यवसाय हम लोगों ने 2 साल तक चलाया। स्वदेशी मेला बहुत अच्छा था अगर किसी को अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचना है स्वदेशी मेला सबसे अच्छा माध्यम है। अगर कोई काम की शुरुआत कर रहा है। तो उसे स्वदेशी मेला से इतनी सारी पब्लिक का सपोर्ट मिलता है। स्वदेशी मेला में गरीब दुकानदारों को स्थान मिला। ग्राहक मिले अक्सर बड़े लोगों के लिए किसी भी चीज के लिए रिस्पांस मिल जाता है। स्वदेशी मेला से स्थानीय हाथ से बनी चीजों के लिए आगे लाने का एक बड़ा अच्छा जरिया मिला। इस मेले से अच्छे लोगों से मिलने का मौका मिला। हम जो काम घर पर रहकर रहे थे। उसी काम को बाहर जगह मिल गई तो आत्मविश्वास आया कि हम भी कुछ अच्छा कर सकते हैं। स्वदेशी मेले में सभी को जरूर जाना चाहिए कोई भी अगर शुरुआत करना चाहता है तो उनके लिए एक अच्छा प्लेटफार्म है। स्वदेशी गांव एकदम अलग लगा।

युवाओं से आप क्या कहना चाहती हैं?

मैं सभी बच्चों से यही कहना चाहूंगी की पढ़ाई के साथ-साथ हैंडवर्क भी सीखना चाहिए और साथ में अपने साथ में रहने वालों को प्रोत्साहित करें। हर किसी को हर किसी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। कोई भी काम छोटा-बड़ा नहीं होता सब काम, काम होते हैं। जिस काम में आप आगे बढ़ जाते हैं। उसी को राजा समझना चाहिए। आपके हाथ में हुनर है तो उसे आपको आगे लाना चाहिए।

आर्ट ऑफ लिविंग का छह दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम शुरू

सुदर्शन क्रिया से तनाव में कमी और मन शांत रहता है : कपिल मलैया

हैप्पीनेस प्रोग्राम में योग कराते वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया।

तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में आर्ट ऑफ लिविंग का छह दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम शुरू हुआ है। यह कार्यक्रम 28 जनवरी से 2 फरवरी तक सुबह 6.30 से 9 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में 36 लोगों ने भाग लिया है। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया एवं प्रवीण जी द्वारा विश्व प्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया सिखाई जा रही है। कपिल मलैया ने बताया कि अभी जिन लोगों ने सुदर्शन क्रिया सीखी है वे बता रहे हैं इस क्रिया से तनाव में कमी, मन की शांति आदि का अनुभव हो रहा है। उन्होंने इस क्रिया के लाभ बताते हुए कहा कि सुदर्शन क्रिया सांस लेने की तकनीक से जुड़ा आसन है, जिसमें सांसों को तेज और धीमी गति से अंदर और बाहर किया जाता है। यदि आप इस क्रिया को नियमित रूप से करते हैं, तो आपको सांसों से जुड़ी परेशानी नहीं होगी। साथ ही इस आसन को करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। सुदर्शन क्रिया शारीरिक और मानसिक परेशानियों को दूर करने के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। नियमित रूप से सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करने से तनाव, थकान और डिप्रेशन को दूर किया जा सकता है। इस तथ्य क़ो मेडिकल एसोसिएशन द्वारा भी सत्यापित किया गया है। इसके अलावा सुदर्शन क्रिया के कई लाभ हैं जैसे अनिद्रा की समस्या को दूर करे, एनर्जी बढ़ाए, कोलस्ट्राल को कंट्रोल करे, इम्यूनिटी बूस्ट एवं दिमाग शांत रहता है।

हैप्पीनेस प्रोग्राम का द्वितीय सत्र शुरू

जीवन को तनाव और अवसाद से मुक्त रखने के लिए ध्यान करना जरूरी है

हैप्पीनेस प्रोग्राम में योग कराते वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया एवं प्रवीण धुरिया।

आर्ट ऑफ़ लिविंग का छः दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का द्वितीय सत्र की शुरुआत मैजेस्टिक प्लाजा में हुई। यह प्रोग्राम 4 फरवरी से 10 फरवरी प्रातः 6:30 से 9 बजे तक होगा। हैप्पीनेस प्रोग्राम की जानकारी देते हुए आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया ने बताया कि हैप्पीनेस प्रोग्राम में सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, ध्यान करवाया जाता है। जीवन को बेहतर बनाने के लिए, तनाव और अवसाद से मुक्ति, जीवन जीने के सरल उपाय, मन में उपजे अंतर्द्वंद को शांत करने, मन को जानने के लिए प्रवृत्तियां को जानना आदि को समझने में मदद मिलती हैं। सभी को हैप्पीनेस प्रोग्राम का हिस्सा बनना चाहिए

शिक्षक प्रवीण धुरिया कहते है कि कई बार हम अपने जीवन में तनाव से होने वाले प्रभाव से अपरिचित रहते हैं। प्राय: हमारा मन भूतकाल को लेकर क्रोध, पश्चाताप या भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। मन के इस व्यवहार के कारण हमारे और हमारे आस पास के लोगों पर दुष्प्रभाव तो पड़ता ही है, साथ ही हमारी कार्यकुशलता भी प्रभावित होती है। हम सभी को ज्ञान ही नहीं होता कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है इन सभी समस्याओं का उपाय मात्र ध्यान और योग ही है।

हैप्पीनेस प्रोग्राम के प्रतिभगियों में उत्सव तिवारी, माधव यादव, आकाश गंधर्व, मु. फईम, अंशुल सोनी, ऋषभ ठाकुर, वसीम, मंजूर, नीति सरावगी, गुलजार, प्रभात चौबे, सूरज, हर्षित, प्रतीक, कृष्णा, नीरज, गोपाल, अजय, शुभम आदि उपस्थित रहे।

विचार समिति ने दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को 21 हजार रूपये की सहायता प्रदान की

समाजसेवी कपिल मलैया एवं प्रीति मलैया स्व. महेश ठाकुर की बेटी को चेक देते हुए।

विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत भगवानगंज वार्ड की टीम समन्वयक प्रभा साहू के निवास पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान श्री श्री रविशंकर जी की गुरू पूजा कर समिति अध्यक्ष कपिल मलैया-प्रीति मलैया की शादी की सालगिरह मनाई गई। इस अवसर पर कपिल मलैया-प्रीति मलैया ने विचार कार्यकर्ता महेश ठाकुर के निधन हो जाने पर उनकी बेटी को 21 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की।

कपिल मलैया ने बताया कि महेश ठाकुर विचार समिति के कार्यकर्ता थे और वे समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। हाल ही में उनके असामयिक निधन हो जाने पर उनका परिवार गहरे संकट में आ गया। उनकी बेटी की शिक्षा और भविष्य को देखते हुए विचार समिति द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया ताकि दिवंगत कार्यकर्ता के परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को हरसंभव सहायता मिले, ताकि उसे अपने भविष्य के लिए संघर्ष न करना पड़े।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, नीलू सागर, सुनील सागर, सुमन सोनी, राधा साहू, रमा जाट, अर्चना चौरसिया, रविन्द्र ठाकुर, राहुल अहिरवार, श्रीयांश जैन, दुष्यंत शर्मा, पूजा अहिरवार, नरेन्द्र पटैल, रविन्द्र अहिरवार आदि उपस्थित थे।

स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक संपन्न

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं : केशव दुबोलिया

स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में हुई।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रवास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है।

बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए।

इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें।

स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया।

इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, शिवम दुबे, नवीन सोनी, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत दो गठों का हुआ निर्माण

युवाओं को संबोधित करते हुए कपिल मलैया।

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए गठों का गठन किया गया। जिसमें पहला गठ भामाशाह गठ, दूसरा मकरोनिया गठ बनाया गया। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में 37 करोड़ युवा हैं एवं नौकरी बची नहीं है। यह आगे जाकर क्या काम करेंगे, यह समस्या आने वाली है। इसलिए जरूरी है कि युवा नौकरी की तैयारी के अलावा व्यापार करने की योग्यता भी रखें, जिससे अगर उसे नौकरी न मिल पाए तो वह व्यापार करके आजीविका कमा सकें। इसका समाधान है, पढ़ते-पढ़ते कमाना सीखें।

स्वावलंबी भारत अभियान की अवधारणा है कि प्रत्येक युवा एक स्टार्टअप्स है। उसे कच्ची उम्र में 15 वर्ष से 25 वर्ष में व्यवसाय करने के गुण सिखा दिए जाएं तो उसके सफल उद्यमी बनने के पूरे पूरे अवसर हैं। इसलिए हम कहते हैं "Earn while you learn" पढ़ते-पढ़ते कमाना सीखो।

इसके लिए युवाओं को उन्होंने सुझाव दिए कि आपको क्या कार्य करना हैं।

1. इसके लिए स्वावलंबी भारत अभियान ने विधिवत् देश के विशेषज्ञों के सहयोग से आपके मार्गदर्शन के लिए एक किताब लिखी है। इस किताब को पढ़कर आप जानकारी ले सकते हैं। किताब का शीर्षक है : जैविक उद्यमिता - 37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश

2. स्वावलंबी भारत अभियान ने इसके लिए विधिवत् उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया है। आप उसमें भाग ले सकते हैं। यह पूर्णत: निशुल्क है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा भारत में आपका स्वागत है।

विचार हथकरघा केंद्र : युवाओं को रोजगार व आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने का केंद्र

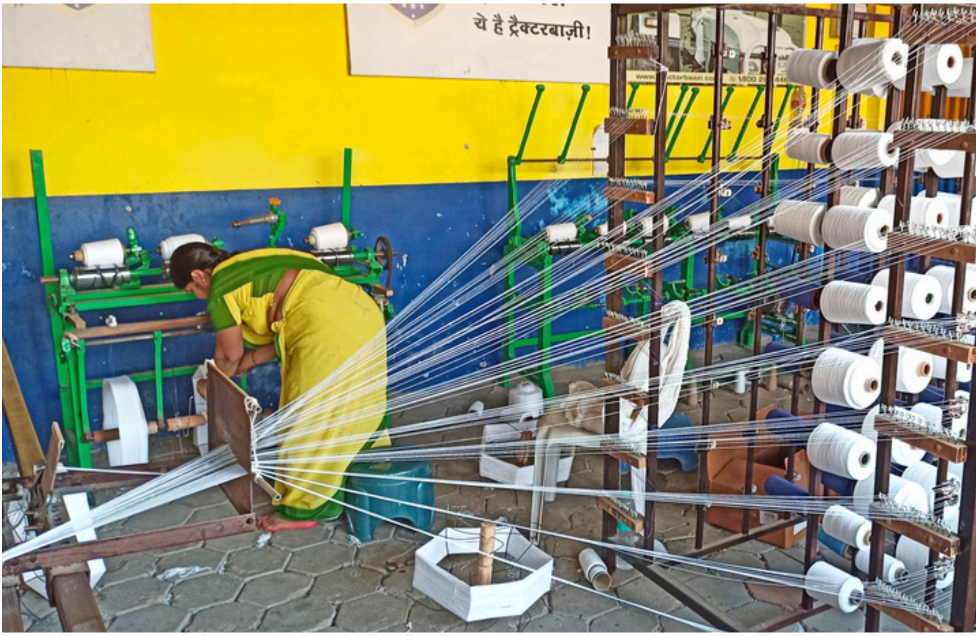

विचार हथकरघा केंद्र में धागा का भरण करती हुई ज्योति रैकवार।

आज आधुनिकता के दौर में हथकरघा कारोबार पर संकट के बादल छाए हुए हैं। बाजारों पर ब्रांड की कब्जेदारी होने से सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा यह कारोबार बदहाली की दौर से गुजर रहा है, लेकिन विचार समिति वर्ष 2019 निःशुल्क हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की शुरुवात कर 300 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया था वर्तमान में यह रोजगार व स्वावलंबन का केंद्र बना हुआ है।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल ने बताया कि हथकरघा केंद्र न केवल उत्कृष्ट स्वदेशी उत्पादों का निर्माण कर रहा है, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह हथकरघा युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वालम्बन की सीख भी दे रहा है, जिससे वे अपने भविष्य को सुरक्षित और सामर्थ्यवान बना सकें।

समिति हथकरघा केंद्र प्रभारी भाग्यश्री राय कहती है कि हम अभी वर्तमान में शर्ट, पजामा, टॉविल, धोती, साड़ी, पेंट, कुर्ता, चादर व पानी थैली, नैपकिन, रोटी कवर, पर्दा आदि शुद्ध सूती वस्त्रों से बना रहे हैं। यह वस्त्र शुद्ध सूती के बने है जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

हथकरघा से बने कपड़ों की विशेषताएं

हथकरघा से बने कपड़े भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरागत बुनाई कौशल का प्रतीक हैं। ये कपड़े न केवल पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, बल्कि इनमें अनूठी बनावट और डिज़ाइन भी देखने को मिलते हैं। नीचे हथकरघा कपड़ों की मुख्य विशेषताएं दी गई हैं।

1. हस्तनिर्मित और अनूठे डिज़ाइन

- हथकरघा कपड़े मशीन के बजाय हाथ से बुने जाते हैं, जिससे हर कपड़ा अलग और खास होता है। इनमें बारीक कढ़ाई, ब्लॉक प्रिंटिंग और प्राकृतिक रंगाई जैसे पारंपरिक शिल्प शामिल होते हैं।

2. पर्यावरण के अनुकूल

- हथकरघा कपड़े रासायनिक प्रक्रिया से मुक्त होते हैं और प्राकृतिक रेशों से बनाए जाते हैं, जिससे ये पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते।
- कम ऊर्जा खपत के कारण ये फैब्रिक पर्यावरण-संवेदनशील होते हैं।

3. आरामदायक और त्वचा के लिए सुरक्षित

- इन कपड़ों से शरीर को अच्छी हवा मिलती है और गर्मी में भी आरामदायक रहते हैं।
- कॉटन, सिल्क और ऊनी हथकरघा कपड़े त्वचा के लिए कोमल और एलर्जी-रहित होते हैं।

4. पारंपरिक और सांस्कृतिक महत्व

- भारत में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के हथकरघा कपड़े बनाए जाते हैं, जैसे बनारसी सिल्क (उत्तर प्रदेश), महेश्वरी और चंदेरी (मध्य प्रदेश), कांथा (पश्चिम बंगाल), पटोला (गुजरात), इकत (ओडिशा और तेलंगाना) आदि।
- हर कपड़ा अपनी बुनाई की शैली और सांस्कृतिक इतिहास को दर्शाता है।

5. टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले

- ये कपड़े सिंथेटिक कपड़ों की तुलना में अधिक मजबूत और टिकाऊ होते हैं।
- उचित देखभाल से ये वर्षों तक अपनी चमक और गुणवत्ता बनाए रखते हैं।

6. आजीविका और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

- हथकरघा उद्योग लाखों बुनकरों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता प्रदान करता है।
- यह कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

7. मौसम के अनुकूल कपड़े

- कॉटन और लिनेन जैसे हथकरघा कपड़े गर्मियों के लिए उपयुक्त होते हैं क्योंकि वे हल्के और ठंडक देने वाले होते हैं। ऊनी और सिल्क कपड़े सर्दियों में गर्माहट बनाए रखने में सहायक होते हैं।

स्वदेशी उत्पाद का उपयोग करने से विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम होगी

कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार में सामान खरीदते जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविन्द्र सिंह ठाकुर।

स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा कटरा बाजार, सबरंग के बाजू में स्वदेशी वस्तु भंडार की स्थापना की है। स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग किसी भी देश की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब हम अपने देश में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देते हैं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलता है।

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह देश को आत्मनिर्भर बनाता है। यदि हम अपने उत्पादों का उपयोग करेंगे, तो हमारी अर्थव्यवस्था सशक्त होगी और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम होगी। इससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहल को बल मिलता है। इसके अलावा, स्वदेशी वस्तुओं के उत्पादन से स्थानीय कारीगरों और किसानों को रोजगार के अवसर मिलते हैं, जिससे गरीबी कम होती है और समाज में समृद्धि आती है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग फायदेमंद है। जब हम स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुएँ खरीदते हैं, तो उनके परिवहन में कम ऊर्जा लगती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है। इसके अलावा, भारतीय पारंपरिक उत्पाद, जैसे कि खादी, हस्तशिल्प, और जैविक खाद्य पदार्थ, पर्यावरण के अनुकूल होते हैं।

संस्कृति और परंपराओं की रक्षा भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से संभव होती है। भारतीय हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग और पारंपरिक कलाएँ तभी जीवित रह सकती हैं जब हम इनका उपयोग और प्रचार करेंगे।

अतः स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर राष्ट्र को सशक्त बनाने में योगदान देना चाहिए।

मीडिया कवरेज

सुदर्शन क्रिया से तनाव में कमी और मन शांत रहता है : कपिल मलैया

आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम शुरू

सागर | तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में आर्ट ऑफ लिविंग का छह दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम शुरू हुआ । यह कार्यक्रम 2 फरवरी तक सुबह 6.30 से 9 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में 36 लोगों ने भाग लिया है। आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया एवं प्रवीण द्वारा सुदर्शन क्रिया सिखाई जा रही है।

कपिल मलैया ने बताया कि अभी जिन लोगों ने सुदर्शन क्रिया सीखी है वे बता रहे हैं इस क्रिया से तनाव में कमी, मन की का अनुभव हो रहा है। उन्होंने इस क्रिया के लाभ बताते हुए कहा कि सुदर्शन क्रिया सांस लेने की तकनीक से जुड़ा आसन है, जिसमें सांसों को तेज और धीमी गति से अंदर और बाहर किया जाता है। यदि आप इस क्रिया को नियमित रूप से करते हैं, तो आपको सांसों से जुड़ी परेशानी नहीं होगी। साथ ही इस आसन को करने से इम्युनिटी मजबूत होती है। सुदर्शन क्रिया शारीरिक और मानसिक परेशानियों को दूर करने के लिए लाभकारी माना जाता है। मलैया ने कहा कि नियमित रूप से सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करने से तनाव, थकान और डिप्रेशन को दूर किया जा सकता है। इस तथ्य को मेडिकल एसोसिएशन द्वारा भी सत्यापित किया गया है। उन्होंने बताया कि सुदर्शन क्रिया करने से अनिद्रा की समस्या को दूर करने के साथ ही यह एनर्जी बढ़ाता है। इसके अलावा कोलस्ट्रॉल को कंट्रोल करे, इम्युनिटी बूस्ट एवं दिमाग शांत रहता है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना जरूरी हैं : केशव दुबोलिया

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रवास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है। बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें। स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है: कपिल मलैया

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रवास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है। बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाये गये। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायें, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें। स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, शिवम दुबे, नवीन सोनी, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

जीवन को तनाव और अवसाद से मुक्त रखने के लिए ध्यान जरूरी है : कपिल

सागर | आर्ट ऑफ लिविंग का छः दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम के द्वितीय सत्र की शुरुआत मैजेस्टिक प्लाजा में हुई। यह प्रोग्राम 10 फरवरी तक प्रातः 6:30 से 9 बजे तक होगा। हैप्पीनेस प्रोग्राम की जानकारी देते हुए आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ शिक्षक कपिल मलैया ने बताया कि हैप्पीनेस प्रोग्राम में सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, ध्यान करवाया जाता है। जीवन को बेहतर बनाने के लिए, तनाव और अवसाद से मुक्ति, जीवन जीने के सरल उपाय, मन में उपजे अंतर्द्वंद को शांत करने, मन को जानने के लिए प्रवृतियों को जानना आदि को समझने में मदद मिलती हैं। उन्होंने कहा कि सभी को हैप्पीनेस प्रोग्राम का हिस्सा बनना चाहिए

सागर | कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास करते प्रतिभागी।

शिक्षक प्रवीण धुरिया ने बताया कि कई बार हम अपने जीवन में तनाव से होने वाले प्रभाव से अपरिचित रहते हैं। प्रायः हमारा मन भूतकाल को लेकर क्रोध, पश्चाताप या भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। मन के इस व्यवहार के कारण हमारे और हमारे आस पास के लोगों पर दुष्प्रभाव तो पड़ता ही है, साथ ही हमारी कार्यकुशलता भी प्रभावित होती है। हम सभी को ज्ञान ही नहीं होता कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है इन सभी समस्याओं का उपाय मात्र ध्यान और योग ही है। हैप्पीनेस प्रोग्राम के प्रतिभागियों में उत्सव तिवारी, माधव यादव, आकाश गंधर्व, मु. फईम, अंशुल सोनी, ऋषभ ठाकुर, वसीम, मंजू, नीति सराफ्गी, गुलजार, प्रभात चौबे, सूरज, हर्षित, प्रतीक, कृष्णा, नीरज, गोपाल, अजय, शुभम आदि उपस्थित रहे।

एक नजर में

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत बैठक

सागर. स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रवास के दौरान संपन्न हुई . बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है . बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए . इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई . इस अवसर पर राजकुमार नामदेव, रविन्द्र सिंह ठाकुर, अंजली दुबे, सुनील सागर, विनय मलैया, अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला उपस्थित थे .

मीडिया कवरेज

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: दुबोलिया

स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है : कपिल मलैया

स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक

सागर | स्वावलंबी भारत अभियान की एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है। बैठक में केशव दुबोलिया ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए।

इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने बताया कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें। स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया।

इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, शिवम दुबे, नवीन सोनी, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

समाजसेवी मलैया ने दी कार्यकर्ता की बेटी को 21 हजार की सहायता

सागर | विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत भगवानगंज वार्ड की टीम समन्वयक प्रभा साहू के निवास पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया-प्रीति मलैया की शादी की सालगिरह मनाई गई। इस दौरान विचार कार्यकर्ता महेश ठाकुर के निधन पर उनकी बेटी को 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी गई। कपिल मलैया ने बताया कि महेश विचार समिति के कार्यकर्ता थे और वे समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनका निधन हो जाने से परिवार संकट में आ गया है। उनकी बेटी की शिक्षा और भविष्य को देखते हुए विचार समिति द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया ताकि दिवंगत कार्यकर्ता के परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को हरसंभव सहायता मिले, ताकि उसे अपने भविष्य के लिए संघर्ष न करना पड़े। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, अखिलेश समैया, नीलू सागर, सुनील सागर, सुमन सोनी, राधा साहू, रमा जाट, अर्चना चौरसिया, रविन्द्र ठाकुर मौजूद थे।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना जरूरी हैं : केशव दुबोलिया

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रयास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है। बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें। स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं : दुबोलिया

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रयास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है।

बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए।

इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें।

स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, शिवम दुबे, नवीन सोनी, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

विचार समिति ने दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को 21 हजार रुपए की सहायता प्रदान की

सागर। विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत भगवानगंज वार्ड की टीम समन्वयक प्रभा साहू के निवास पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कपिल मलैया-प्रीति मलैया ने विचार कार्यकर्ता महेश ठाकुर के निधन हो जाने पर उनकी बेटी को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। कपिल मलैया ने बताया कि महेश ठाकुर विचार समिति के कार्यकर्ता थे और वे समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। हाल ही में उनके असामयिक निधन हो जाने पर उनका परिवार गहरे संकट में आ गया। उनकी बेटी की शिक्षा और भविष्य को देखते हुए विचार समिति द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया ताकि दिवंगत कार्यकर्ता के परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को हरसंभव सहायता मिले, ताकि उसे अपने भविष्य के लिए संघर्ष न करना पड़े।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने सामूहिक प्रयास जरूरी : दुबोलिया

● सागर / आसपास

स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय बैठक तिलकगंज स्थित स्वावलंबन केंद्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव दुबोलिया के प्रयास के दौरान संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य स्वदेशी मेला एवं स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यों को बढ़ावा देना है। बैठक में केशव दुबोलिया ने बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। बैठक में नये दायित्वों की घोषणा की गई जिसमें सौरभ रांधेलिया व करण श्रीवास्तव को युवा आयाम प्रांत टोली सदस्य, नितिन पटैरिया जिला समन्वयक, अतुल अग्रवाल युवा आयाम प्रमुख, हिमांशु दुबे जिला कोष प्रमुख बनाए गए। इस अवसर पर प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि बैठक में स्वदेशी मेला की समीक्षा हुई एवं आगामी स्वदेशी मेला की कार्य योजना तैयार की गई। स्वदेशी मेला से स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर पहचान बन सकती है। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं जिससे

अधिक से अधिक लोग स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकें। स्वदेशी मेला में नया स्टार्टअप करने वाले अनुज नेमा ने अपने व्यवसाय के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रांत पूर्ण कालिक प्रजातंत्र गंगेले, जिला संयोजक राजकुमार नामदेव, जिला पूर्णकालिक रविन्द्र सिंह ठाकुर, जिला सह संयोजिका स्वदेशी जागरण मंच अंजली दुबे, जिला सह संयोजक सुनील सागर, जिला टोली सदस्य विनय मलैया, जिला टोली सदस्य अखिलेश समैया, सिद्धार्थ शुक्ला, शिवम दुबे, नवीन सोनी, मनोज राय आदि उपस्थित थे।

विचार समिति ने दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को 21 हजार रुपए की सहायता प्रदान की

[illegible], सागर

विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत भगवानगंज वार्ड की टीम समन्वयक प्रभा साहू के निवास पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान श्री श्री रविशंकर जी की गुरु पूजा कर समिति अध्यक्ष कपिल मलैया-प्रीति मलैया की शादी की सालगिरह मनाई गई। इस अवसर पर कपिल मलैया-प्रीति मलैया ने विचार कार्यकर्ता महेश ठाकुर के निधन हो जाने पर उनकी बेटी को 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की।

कपिल मलैया ने बताया कि महेश ठाकुर विचार समिति के कार्यकर्ता थे और वे समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। हाल ही में उनके असामयिक निधन हो जाने पर उनका परिवार गहरे संकट में आ गया। उनकी बेटी की शिक्षा और भविष्य को देखते हुए विचार समिति द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया ताकि दिवंगत कार्यकर्ता के परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को हरसंभव सहायता मिले, ताकि उसे अपने भविष्य के लिए संघर्ष न करना पड़े। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, नीलू सागर, सुनील सागर, सुमन सोनी, राधा साहू, रमा जाट, अर्चना चौरसिया, रविन्द्र ठाकुर, राहुल अहिरवार, [illegible], पूजा अहिरवार, [illegible] अहिरवार आदि उपस्थित थे।

विचार समिति ने दिवंगत कार्यकर्ता की बेटी को 21 हजार की सहायता प्रदान की

सागर, देशबन्धु। विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत भगवानगंज वार्ड की टीम समन्वयक प्रभा साहू के निवास पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान श्रीश्री रविशंकर की गुरु पूजा कर समिति अध्यक्ष कपिल मलैया, प्रीति मलैया की शादी की सालगिरह मनाई गई। इस अवसर पर कपिल मलैया प्रीति मलैया ने विचार कार्यकर्ता महेश ठाकुर के निधन हो जाने पर उनकी बेटी को 21 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। कपिल मलैया ने बताया कि महेश ठाकुर विचार समिति के कार्यकर्ता थे और वे समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

ATMA
AN ACCELERATOR FOR EDUCATION

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship
Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

PhonePe
Scan & Pay with any UPI App
UPI ID : Q509009353@ybl
BHIM | UPI
Vichar Samiti

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर